Odisha State Open University
Sambalpur, Odisha

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय
सम्बलपुर, ओड़िशा

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष

पर्याय-2 (Semester-II)

सत्रीय कार्य

सत्र - जुलाई 2018 से जून 2019

[प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें]

निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के हिंदी स्नातकोत्तर कार्यक्रम में आपका स्वागत है।

उपर्युक्त कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने से पूर्व अपेक्षित है कि आप हर पाठ्यक्रम (Course) हेतु नियत सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का समुचित उत्तर लिखकर अपनी उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केंद्र में नियत तिथि के अंदर जमा कर दें; जिसके बिना आप परीक्षा के लिए अयोग्य माने जाएंगे। इसमें उत्तीर्ण होने के लिए आपको कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे। सत्रीय कार्य में अनुत्तीर्ण होने अथवा जमा न करने की स्थिति में आपको अगले सत्र के लिए निर्द्धारित सत्रीय कार्य का उत्तर लिखकर जमा करवाना होगा।

सत्रीय कार्य का महत्व

1. प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंकों का है और इसमें दिए गए प्रश्न निर्द्धारित खंडों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। इसमें प्राप्त अंकों का 25 प्रतिशत सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों से जुड़कर आपको बड़ी सफलता दिलाने में मददगार साबित होगा।
2. सत्रीय कार्य के अंकों के 25 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के 75 प्रतिशत को मिलाकर इस पाठ्यक्रम में आपकी सामग्रिक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम व सत्रीय कार्य प्रश्नावली की रूप-रेखा

कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एम.ए. हिंदी कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करें। स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के पर्याय-2 (द्वितीय सेमिस्टर) में एम.एच.डी-04 और एम.एच.डी-06, इस प्रकार 8-8 क्रेडिट के दो पाठ्यक्रम हैं जो आपको क्रमश: 6 और 8 खंडों में उपलब्ध करवाया गया है। एम.एच.डी-06 में एक पाठ्य पुस्तक 'हिंदी गद्य विविधा' भी आपको दी गई है, जिसमें विभिन्न हिंदी गद्य विधाओं के कुछ महत्वपूर्ण रचनाओं को संकलित किया गया है।

विश्वविद्यालय के नियमानुसार हर 4 क्रेडिट के लिए एक प्रश्नपत्र होगा, यानी 8 क्रेडिट के एक पाठ्यक्रम पर आधारित दो प्रश्नपत्र होंगे। अत: आपको प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमिस्टर के दो पाठ्यक्रमों के लिए कुल 4 प्रश्नपत्रों के उत्तर देने हैं जिसके लिए एम.एच.डी- 04 के खंड- 1, 2 और 3 पर आधारित प्रश्नपत्र-1 तथा खंड- 4, 5 एवं 6 पर आधारित प्रश्नपत्र-2 तैयार किया गया है। उसी प्रकार एम.एच.डी-06 के खंड- 1, 2, 3 और 4 पर आधारित प्रश्नपत्र-1 तथा खंड- 5, 6, 7 एवं 8 पर आधारित प्रश्नपत्र- 2 तैयार किया गया है। इस प्रकार इस सत्रीय कार्य-पुस्तिका में हिंदी एम.ए के प्रथम वर्ष के पर्याय-2 यानी द्वितीय सेमिस्टर हेतु कुल 4 प्रश्नपत्र दिए गए हैं।

स्नातकोत्तर स्तर पर परीक्षा में पूछे जाने वाले सवाल केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित नहीं होते। अत: विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि वे उपलब्ध करवाई गई सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालयों से अन्य पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी अध्ययन करके हिंदी साहित्य और आलोचना के क्षेत्र में समुचित ज्ञान प्राप्त करें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संम्बंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण व मूल्यांकन करने की कितनी क्षमता अर्जित की है। सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य-सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके सम्बंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें; उत्तर देते समय आप विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाई गई सामग्री को पुनर्प्रस्तुत न करें, बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-समझकर अपने शब्दों में लिख सकें। आपके उत्तर में आपके अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपकी पकड़ का समुचित प्रतिफलन होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए जाँचकर्ता इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

1. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें।
2. उत्तर कागज के एक ही तरफ लिखें।
3. जाँचकर्ता के उपयोग के लिए कागज की बाईं ओर कम से कम एक इंच का हाशिया अवश्य छोड़ें। यदि कागज के दोनों तरफ उत्तर लिखते हैं तो पीछे की ओर लिखते समय बाईं ओर के साथ साथ दाहिनी ओर भी हाशिया छोड़ें ताकि आपके उत्तर का कोई अंश पुस्तिका को सिलाई करते समय अंदर दब न जाए।
4. प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर वाले हाशिए में पृष्ठ-संख्या अंकित करके उन्हें अच्छी तरह सिलाई कर लें।
5. प्रत्येक उत्तर से पहले बाईं ओर छोड़े गए हाशिए पर प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर लिखें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानी पूर्वक अध्ययन करें

1. प्रश्न में जो पूछा गया है, उसे अच्छी तरह समझकर उत्तर लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें; जो नहीं पूछा गया हो, उसे न लिखें।
2. व्याख्या से संम्बंधित उत्तर में संदर्भ, प्रसंग, व्याख्या, भाषा-शैली व अन्य विशेष बातों का उल्लेख अवश्य करें। इन सभी पहलुओं के लिए अंक निर्धारित होते हैं।
3. आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।
4. आपका उत्तर संक्षिप्त व सारगर्भक हो, इस पर ध्यान दें।
5. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच क्रमबद्धता हो।
6. लेखन में भाषागत त्रुटि न हो, वर्तनी और व्याकरणगत गलतियों से बचें।
7. प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्द्धारित शब्द-सीमा का अतिक्रमण न करने का यथासम्भव प्रयास करें।
8. उत्तर साफ और सुंदर अक्षरों में लिखें, अस्पष्ट लिखावट से जाँचकर्ता को उसे पढ़ने में दिक्कत होगी और इससे वे आपके उत्तर से न्याय नहीं कर सकेंगे।
9. जिन बातों पर बल देना चाहते हैं, उन्हें आप रेखांकित कर सकते हैं, परंतु इसके लिए लाल स्याही का उपयोग न करें।
10. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।
11. अपनी उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
12. प्रथम पृष्ठ की बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य का कोड और अपने अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड लिखिए।

अनुक्रमांक.....

नाम.....

पता.....

कार्यक्रम का नाम- स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी) **MAHD**

पाठ्यक्रम शीर्षक .....

सत्रीय कार्य (Assignment) कोड .....

अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड .....

दिनांक.....

मुक्त व दूर शिक्षा पाठ्यक्रमों में सत्रीय कार्य की अपनी विशेष भूमिका है। यह विद्यार्थियों की उपलब्धियों के निरंतर व सामग्रिक मूल्यांकन प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अंग है। सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का उत्तर आप अपने घर पर ही बैठकर लिखेंगे जिसमें समय अथवा पाठ्य-सामग्री के उपयोग की कोई पाबंदी नहीं है। अत: आपसे अपेक्षा की जाति है कि इस कार्य को आप बखूबी कर सकते हैं। इस पुस्तिका में दिए गए प्रश्नपत्रों के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सत्रांत परीक्षा (Term-End Examination) में आपके लिए प्रश्नों के विकल्प उपलब्ध होंगे जिनमें से आप अपनी सुविधानुसार प्रश्नों का चयन कर सकेंगे।

अध्ययन केंद्र में इस सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करके जाँचकर्ता के मंतव्यों के साथ आपको लौटा दिया जाएगा, जिससे आप अपनी सफलता व कमियों को समझकर तदनुसार अंतिम परीक्षा के लिए अपनी तैयारी कर सकेंगे। सत्रीय कार्य के माध्यम से आप अपने जाँचकर्ता व शिक्षण सलाहकार से द्विपक्षीय सम्पर्क स्थापित कर सकेंगे।

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा करने की अंतिम तिथि

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	खंड संख्या	क्रेडिट	अंतिम तिथि	वार
1	एम.एच.डी- 04	नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ	खंड- 1, 2, 3	4	28 अप्रैल, 2019	रविवार
2	एम.एच.डी- 04	नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ	खंड- 4, 5, 6	4	28 अप्रैल, 2019	रविवार
3	एम.एच.डी- 06	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	खंड- 1, 2, 3, 4	4	28 अप्रैल, 2019	रविवार
4	एम.एच.डी- 06	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	खंड- 5, 6, 7, 8	4	28 अप्रैल, 2019	रविवार

नोटः याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है। अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एम.एच.डी- 04
Assignment Code: TMA/July18/MAHD-4/1

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 2

सत्रीय कार्य-1

सत्र - जुलाई 2018 से जून 2019

पाठ्यक्रम का नाम : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **04**

खंड : 01, 02, 03 (क्रेडिट- 4) **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर 50 शब्दों में लिखिए। **[2x5=10]**

(क) आधुनिक हिंदी साहित्य में गद्य के जन्मदाता कौन हैं? हिंदी का पहला नाटक कौन-सा है और उसके रचयिता कौन हैं?

(ख) जयशंकर प्रसाद के लिखे चार नाटकों के नाम बताइए।

(ग) मोहन राकेश के नाटकों के नाम बताते हुए उनकी विषयवस्तु का परिचय दीजिए।

(घ) हिंदी के प्रथम असंगत नायक और नाटककार के नाम बताइए।

(ङ) हिंदी नाट्य-विधा में 'औरत' नाटक को किस कोटि में रखा जाता है और क्यों?

2. निम्नलिखित विषयों पर 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। **[5x4=20]**

(क) स्कंदगुप्त नाटक की भाषा-शैली

(ख) लहरों के राजहंस

(ग) 'आधे-अधूरे' नाटक में स्त्री-पुरुष सम्बंध

(घ) 'ताम्बे के कीड़े' नाटक की प्रयोगशीलता और अभिनेयता

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में लिखिए। **[10x4=40]**

(क) स्कंदगुप्त नाटक में निहित इतिहास और कल्पना के समन्वय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ख) 'अंधायुग' नाटक के राजनीतिक संदर्भ का विवेचन कीजिए।

(ग) असंगत नाटक की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके तत्वों और उपयोगिता की विवेचना कीजिए।

(घ) नुक्कड़ नाटक की रंग-प्रस्तुति में रंगमंच, प्रकाश, परिधेय, उपकरण और अभिनय आदि की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। **[15x2=30]**

(क) 'आधे-अधूरे' नाटक मध्यवर्गीय जीवन का जीवंत दस्तावेज है- इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(ख) 'औरत' नाटक की कथावस्तु का विश्लेषण करते हुए उसके प्रतिपाद्य की विवेचना कीजिए।

एम.एच.डी- 04
Assignment Code: TMA/July18/MAHD-4/2

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 2

सत्रीय कार्य-2

सत्र - जुलाई 2018 से जून 2019

पाठ्यक्रम का नाम : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **04**

खंड- 04, 05, 06 (क्रेडिट- 4) **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें **]**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर 50 शब्दों में लिखिए। **[2x5=10]**

(क) प्रताप नारायण मिश्र के दो निबंध संकलनों के नाम बताइए। हिंदी साहित्य के इतिहास में उन्हें किस युग में लिया गया है?

(ख) 'कलम का सिपाही' के लेखक कौन हैं? इसकी विधा और प्रतिपाद्य क्या है?

(ग) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के रचयिता कौन हैं और यह किस विधा की रचना है?

(घ) 'साक्षात्कार' किसे कहते हैं? साहित्य में इसकी उपयोगिता क्या है?

(ङ) 'अदम्य जीवन' के लेखक कौन हैं? इसे किस संकलन में स्थानित किया गया है? इसका मुख्य प्रतिपाद्य क्या है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए। **[5x4=20]**

(क) प्रतापनारायण मिश्र के निबंधों की विशेषताएँ क्या हैं?

(ख) हरिशंकर परसाई की लेखकीय विशिष्टता का परिचय दीजिए।

(ग) हिंदू धर्म और ब्राह्मणवाद पर प्रेमचंद के विचारों को अमृतराय ने किस तरह रेखांकित किया है?

(घ) हरिवंशराय बच्चन के धर्म और दर्शन सम्बंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में कीजिए। **[10x4=40]**

(क) 'लोभ और प्रीति' निबंध के प्रतिपाद्य की विवेचना कीजिए।

(ख) 'ठकुरी बाबा' किस श्रेणी का गद्य है? इसमें व्यक्त सामाजिक चेतना की चर्चा कीजिए।

(ग) हिंदी में यात्रा वृत्तांत परम्परा की विवेचना करते हुए उसमें राहुल सांकृत्यायन का स्थान निरूपण कीजिए।

(घ) रिपोर्ताज किसे कहते हैं? एक स्वतंत्र विधा के रूप में रिपोर्ताज की विवेचना कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। **[15x2=30]**

(क) ललित निबंध के रूप में 'कुटज' की समीक्षा कीजिए।

(ख) संस्मरण और अन्य साहित्यिक विधाओं के बीच सम्बंधों को स्पष्ट कीजिए ।

एम.एच.डी- 06
Assignment Code: TMA/July18/MAHD-6/1

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 2

सत्रीय कार्य-3

सत्र - जुलाई 2018 से जून 2019

पाठ्यक्रम का नाम : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **06**

खंड-एम.एच.डी- 01, 02, 03, 04 (क्रेडिट- 4) **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें **]**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर 50 शब्दों में लिखिए। **[2x5=10]**

(क) अमीर खुसरो की कविता की विषय-वस्तु क्या है? उनके द्वारा अपनाए गए छंद और उसकी विशेषता क्या है?

(ख) 'पुष्टि' शब्द से आप क्या समझते हैं? भक्ति काव्य में इसका आशय क्या है?

(ग) सर्वांग निरूपक रीतिबद्ध कवियों की विशेषताएँ बताइए।

(घ) नवजागरण, प्रगतिवाद व उपयोगितावादियों द्वारा रीति परम्परा पर लगाए जाने वाले आक्षेपों का निराकरण करने वाले आधुनिक आलोचक कौन-कौन हैं?

(ङ) स्त्री-शिक्षा की पैरवी करने वाली आधुनिक काल की दो प्रारम्भिक रचनाओं और उनके रचयिताओं के नाम बताइए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए। **[5x4=20]**

(क) साहित्य इतिहास लेखन तथा उसके काल विभाजन के विविध आधारों का उल्लेक करें।

(ख) भक्तिकालीन भारतीय समाज की धार्मिक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए।

(ग) रीतिकाल के नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए।

(घ) हिंदी के प्रारम्भिक उपन्यासों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में लिखिए। **[10x4=40]**

(क) साहित्य का इतिहास लेखन क्यों आवश्यक है? साहित्येतिहास लेखन की पृष्ठभूमि और आधार पर चर्चा करते हुए इसकी सीमाओं और सम्भावनाओं पे सोदाहरण समझाइए।

(ख) भक्तिकाल के प्रेरक तत्वों पर विचार कीजिए।

(ग) रीतिकाल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का विवेचन कीजिए।

(घ) द्विवेदी युगीन गद्य साहित्य की विवेचना कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। **[15x2=30]**

(क) रीतिकालीन भक्तिकाव्यों का परिचय दीजिए।

(ख) छायावाद की परिभाषा देते हुए छायावाद और रहस्यवाद के आपसी सम्बंधों की चर्चा कीजिए।

एम.एच.डी- 06
Assignment Code: TMA/July18/MAHD-6/2

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 2

सत्रीय कार्य-4

सत्र - जुलाई 2018 से जून 2019

पाठ्यक्रम का नाम : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **06**

खंड- 05, 06, 07, 08 (क्रेडिट- 4) **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें **]**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर 50 शब्दों में लिखिए। **[2x5=10]**

(क) छायावादोत्तर काव्यधारा के अंतर्गत आने वाले सभी 'वादों' अथवा विचारधाराओं तथा प्रमुख कवियों के नाम बताइए। छायावादोत्तर काव्यधारा किस अन्य नाम से जानी जाती है?

(ख) प्रारम्भिक दौर में ही हिंदी कहानी को प्रौढ़ता प्रदान करने वाली कहानी और उसके लेखक के बारे में आप क्या जानते हैं लिखिए।

(ग) 'मूर्धन्य ध्वनि' किसे कहते हैं? देवनागरी लिपि में इन ध्वनियों को किन चिह्नों से पहचाना जाता है?

(घ) 'राजभाषा' शब्द से आप क्या समझते हैं? भारत में इसकी आवश्यकता क्या और क्यों है?

(ङ) 'प्रयोजनमूलक हिंदी' का तात्पर्य क्या है?

2. निम्नलिखित विषयों पर 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए- **[5x4=20]**

(क) राष्ट्रीय-सांस्कृतिक कविता

(ख) अकहानी

(ग) पुनरुक्त शब्द संरचना

(घ) भारतेंदु युग

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में लिखिए। **[10x4=40]**

(क) उत्तर छायावादी हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों पा प्रकाश डालिए।

(ख) हिंदी कहानी में द लित चेतना पर सारगर्भक निबंध लिखिए।

(ग) प्रगतिवादी अथवा मार्क्सवादी आलोचना से आप क्या समझते हैं? मार्क्सवादी आलोचकों तथा उनकी कृतियों के उमदाहरण देते हुए उनकी रचनाओं के विषय की चर्चा कीजिए।

(घ) भारत के भाषा परिवार और प्रमुख भाषाओं का परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। **[15x2=30]**

(क) समकालीन कविता की मूल प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(ख) अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की विवेचना कीजिए।